RELEASE OF P.O. Ws.

771 SHRI SUNDAR MANI PATEL :
SHRI M. K. MOHTA :
SHRI DEBANANDA AMAT :
SHRI CHANDRAMOULI JAGARLAMUDI :
SHRI DAHYABHAI V. PATEL :
SHRI K. C. PANDA :
SHRI LOKANATH MISRA :

Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether Government's attention has been invited to a letter written to the Editor and published in the *Times of India*, dated the 2nd April, 1973 by Indian and Pakistani scholars impressing upon the Government of India for the immediate release of Pakistani prisoners of war;

(b) whether Government have studied the contents of the letter; and

(c) if so, the reaction of Government thereto?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI SURENDRA PAL SINGH): (a) and (b) Yes, Sir.

(c) As the House is aware the Joint India-Bangladesh Declaration of April 17, 1973 provides a practical way for the solution of all humanitarian issues arising from the December, 1971 conflict, by proposing the simultaneous repatriation of Pakistani P.O.Ws. and civilian internees, except those required by Bangladesh for trial on criminal charges, the Bangalees forcibly detained in Pakistan and Pakistan nationals in Bangladesh, who declared their allegiance to Pakistan and are desirous of repatriation to that country.

रोजगार खोजने वालों की संख्या

772. **श्री ओइमप्रकाश त्यागी :**
श्री जगदीश प्रसाद माथुर :
श्री प्रेम मनोहर :
श्री डी० के० पटेल :
श्री वीरेन्द्र कुमार सखलेचा :

क्या **श्रम और पुनर्वास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि 1970 में भारत के अन्दर रोजगार खोजने वालों की संख्या 41 लाख थी जबकि 1971 में बढ़कर 51 लाख और 1972 में 69 लाख हो गई ;

(ख) यदि हां, तो 1975 तक रोजगार खोजने वालो की कितनी सख्या हो जाने का अनुमान है, और

(ग) इस सम्बन्ध में अब तक की गई अथवा की जाने वाली कार्यवाही का ब्यौरा क्या है ?

†[NUMBER OF JOB-SEEKERS

772. SHRI O. P. TYAGI:
SHRI JAGDISH PRASAD MATHUR :
SHRI PREM MONOHAR :
SHRI D. K. PATEL:
SHRI V. K. SAKHLECHA:

Will the Minister of LABOUR AND REHABILITATION be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the number of job-seekers in India in 1970 was forty-one lakhs while it has increased to fifty-one lakhs in 1971 and sixty-nine lakhs in 1972:

(b) if so, what is the expected figures of job-seekers by 1975; and

(c) the details of action taken so far or proposed to be taken in this regard ?]

श्रम और पुनर्वास मंत्रालय में उपमंत्री (श्री जी० वेंकटस्वामी) : (क) जी हां । यह देश के रोज़गार कार्यालयों के चालू रजिस्टर द्वारा व्यक्त स्थिति के अनुसार है ।

(ख) संख्या का निरूपण करना सम्भव नहीं है ।

(ग) कुछ समय पहले अनेक कार्यक्रम शुरू किए गए है जैसे शिक्षित बेरोजगारों के लिए परियोजनाएं, राज्यों एवं संघशासित क्षेत्रों में विशिष्ट रोजगार कार्यक्रम तथा ग्रामीण रोजगार के लिए त्वरित परियोजना । इन कार्यक्रमों को जारी रखा जा रहा है । इसके अतिरिक्त 5 लाख शिक्षित बेरोज़गारों के लिए नौकरिया तलाश करने का कार्यक्रम भी

†[ ] English translation